

को लेकर बनाया गया शब्द उदा. 'नभाटा' अर्थात् नव भारत टाइम्स, 'भाजपा' अर्थात् भारतीय जनता पार्टी।

**प्रथमार्ध** पुं. (तत्.) किसी वस्तु के दो समान भागों में से पहला या आरंभ का भाग, पूर्वार्ध।

**प्रथमाश्रम** पुं. (तत्.) चारों आश्रमों में पहला अर्थात् ब्रह्मचर्याश्रम।

**प्रथमी पर्यवेक्षक** पुं. (तत्.) वाणि. उद्योगों आदि में कर्मचारियों के कार्य की पहले-पहल देख-रेख तथा मार्गदर्शन आदि करने वाला अधिकारी।

**प्रथमेतर** वि. (तत्.) प्रथम से भिन्न अर्थात् द्वितीय आदि।

**प्रथमोक्त** वि. (तत्.) पहले कहा हुआ, पूर्वोक्त।

**प्रथा स्त्री.** (तत्.) 1. सामाजिक एवं धार्मिक व्यवहार का वह स्वरूप जो किसी समाज या वर्ग विशेष आदि में परंपरा से चला आ रहा हो, लोकरीति, रीति, परिपाटी, रिवाज, चाल, प्रचलन 2. ख्याति, प्रसिद्धि।

**प्रथागत** वि. (तत्.) प्रथा के रूप में प्रचलित, रिवाज होना दे. प्रथा।

**प्रथागत प्रक्रिया** स्त्री. (तत्.) वह प्रक्रिया जिसमें आदि से अंत तक के सब कार्य प्रचलित रीति-रिवाजों के अनुसार हो।

**प्रद** वि. (तत्.) देने वाला, दायक टि. 'प्रद' का प्रयोग स्वतंत्र शब्द के रूप में नहीं, समासयुक्त अथवा यौगिक पदों के अंत में ही होता है, जैसे- बलप्रद, फलप्रद आदि।

**प्रदक्षिण** वि. (तत्.) 1. दाहिनी ओर स्थित, दक्षिण दिशा में, दक्षिण दिशा की ओर 2. विनम्र, पूज्य, सम्मानपूर्ण, शुभ, शुभलक्षण युक्त।

**प्रदक्षिणा** स्त्री. (तत्.) 1. श्रद्धा-भक्ति के भाव से किसी पूज्य व्यक्ति, स्थान या देव-मूर्ति आदि को दाहिने ओर करके उसके चारों ओर घूमना 2. इस प्रकार किया गया श्रद्धापूर्ण अभिवादन, परिक्रमा, फेरी।

**प्रदग्ध** वि. (तत्.) बहुत जला हुआ, जो जलकर राख हो चुका हो, भस्म हो चुका, जलाया गया, भस्म किया गया।

**प्रदत्त** वि. (तत्.) दिया हुआ, प्रदान किया हुआ, प्रस्तुत किया हुआ।

**प्रदत्त पूँजी** स्त्री. (तद्.) व्यापार के प्रारंभ में लगाई गई समग्र धन-राशि।

**प्रदत्त मूल्य** पुं. (तत्.) किसी वस्तु, संपत्ति अथवा वाणिज्यिक हित प्राप्त करने के लिए लगाई गई धन-राशि।

**प्रदर** पुं. (तत्.) 1. तोड़फोड़, छिद्र, दरार, विदीर्ण होने या फटने का फटाव, विवर, बाण, तीर, सेना का तितर-बितर होना 2. स्त्रियों का एक प्रकार का रोग जिसमें उनके गर्भाशय से सफेद या लाल रंग का द्रव बहता है।

**प्रदर्य** पुं. (तत्.) भारी घमंड, अत्यधिक गर्व, अहंकार।

**प्रदर्श** पुं. (तत्.) 1. रूप, आकृति, शक्ल, दृष्टि, दर्शन, भेंट 2. आदेश, आज्ञा, निदेश प्रशा. नुमायश (प्रदर्शनी) मेले आदि में दर्शकों को देखने के लिए रखी गई वस्तुएँ या संग्रह विधि. किसी मुकदमे से संबंधित वे वस्तुएँ जो अदालत में सबूत के तौर पर पेश की जाती हैं।

**प्रदर्शक** पुं. (तत्.) 1. दिखलाने वाला, वह जो कोई चीज दिखलाए, प्रदर्शन करने वाला, मार्ग दर्शन या निर्देशन करने वाला, सिखलाने वाला, भविष्य वक्ता, प्रमाणित अथवा सिद्ध करने वाला, गुरु, पैगंबर, सिद्धांत, मत 2. राजनीतिक/सामाजिक आदि प्रश्नों पर अपने विचारों, विरोधों, सहमति आदि की सार्वजनिक अभिव्यक्ति, किसी राजनीतिक, सामाजिक आदि प्रदर्शन में भाग लेने वाला।

**प्रदर्शन** पुं. (तत्.) दिखलाने की क्रिया, दिखाना, शिक्षण, उपदेश, सिखलाना उदा. भविष्य कथन, रूप, नजारा प्रशा. किसी विवादास्पद विषय पर अपना दृष्टिकोण या अपनी भावनाएँ व्यक्त करने के लिए सामान्यतया व्यक्तियों के समूह